नाक केओपरेशनकेबादकीसूचनाएँ

१. नाक में रखा गया पेकिंग ता.__/__/20__का __:__ AM / PM बजे निकाला जायेगा ।

२. पेकिंग के कारण नाक बंद रहने से सिर में दर्द होना, घबड़ाहट होना, आँखों में से पानी आना या मुँह सूख जान स्वाभाविक है, नाक में रखा गया पेकिंग निकाल ने के बाद ये तकलीफें दूर हो जाती हैं ।

३. नाक में पेकिंग हो तब तक श्वास मुँह से लेना है और आहार के छोटे छोटे निवाले लें जिस से अंत:रसन आये ।

४. नाक में से लालाश युक्त प्रवाही निकले या नाक का ड्रेसिंग खून वाला हो जाय तो चिंता न करें । कई बार ऊपर का ड्रेसिंग ८ से १० बार बदल ना पड़ता है ।

५. ओपरेशन के बाद दाँत कड़कड़ायें वह सामान्य है ।

६. नाक का पेकिंग निकालने के बाद तीन सप्ताह तक नाक बंद हो जाये तब भी नाक में ऊंगली न डालें और नाकसाफ न करें ।

७. तीन महिने तक नाक पर किसी प्रकार की चोंट न लगे उस का ध्यान रखें और नाक पर वजन न पडे इस तरह से सोयें ।

८. तीन महिने तक शर्दी न हो इसका ध्यान रखें और शर्दिग्रस्त व्यक्ति से दूर रहें ।

९. समझाये अनुसार दवाईयाँ नियमित रुप से लें और पानी की भाप लें ।

१०. नाक में बूँद डालने की पद्धति : कंधे के नीचे तकिया रखकर नाक के दोनों छिद्रों में दो-चार बूँद डालें । बूँद डालते समय के..के.. इस तरह से बोलें जिस से बूँद गले में न जाकर सीधे नाक में ही आसर करेंगे ।

११. दूसरे सप्ताह जाँच करवाने आयें तब दो दिन पहले से क्लिनीक के नंबर पर फोन कर के एपोइन्टमेन्ट प्राप्त कर लें ।

१२. एक तपेली में पानी उबालकर पानी नरम हो तब उस में एक चम्मच विक्स डालकर भाप लें । अपना मुँह एक फुट दूर रखकर भाप लें ।

१३. आपको लिखे गये NASOCLEAR से रोज नाक व्यवस्थित साफकरें । यह प्रक्रिया आयुर्वेद में वर्णित जलनीति का आधुनिक रुप है ।

१४.फिर से दिखाने के लिये ता. __/__/20__का__:__ AM/ PM बजे चंद्र प्रभु क्लिनीक पर आयें ।